

ऊँचे ऊँचे मंदिर तेरे ऊँचा तेरा धाम

ऊँचे ऊँचे मंदिर तेरे ऊँचा तेरा धाम,
हे कैलाश के वासी भोले,
हम करते हैं तुझे प्रणाम

अद्भुत है संसार यहाँ पर कई भूलेखे हैं,
तरह तरह के खेल जगत में हमने देखे हैं,
तू है भाग्य विधाता तेरे लेख सुलेखे हैं,
तू लिखने वाला है ये सब तेरे लेखे हैं
अजब है तेरी माया,
इसे कोई समझ ना पाया ॥

पारब्रह्म परमेश्वर तू है हर कोई माने रे,
सब तेरे बालक हैं क्या अपने बेगान रे,
तू अंतर्दामी सबकी पीडा पहचाने रे,
सबके ही हृदय में बैठा घट घट की जाने रे,
अजब है तेरी माया,
इसे कोई समझ ना पाया

हे योगेश्वर योग से तुने जगत बनाया है,
तन पे तूने भस्म रमा के अलख जगाया है,
कही धुप के रंग सुनहरे कही पे छाया है,
तूने किया है वही जो तेरे मन को भाया है,
अजब है तेरी माया,
इसे कोई समझ ना पाया

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22204/title/uche-uche-mandir-tere-ucha-tera-dhaam>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |